



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)

PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 151]

नई दिल्ली, मंगलवार, मार्च 20, 2018/फाल्गुन 29, 1939

No. 151]

NEW DELHI, TUESDAY, MARCH 20, 2018/PHALGUNA 29, 1939

नागर विमानन मंत्रालय

अधिसूचना

नई दिल्ली, 13 मार्च, 2018

सा.का.नि. 242 (अ).—कतिपय नियमों का निम्नलिखित प्रारूप जिसमें केन्द्रीय सरकार, वायुयान अधिनियम, 1934 (1934 का 22) की धारा 5 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए वायुयान नियम, 1937 में और संशोधन करने का प्रस्ताव करती है, जिसे उक्त अधिनियम की धारा 14 की अपेक्षानुसार ऐसे व्यक्तियों की जानकारी के लिए, जिनके उनसे प्रभावित होने की संभावना है, प्रकाशित किया जाता है और एतद्वारा सूचना दी जाती है कि भारत के राजपत्र में प्रकाशित अधिसूचना की प्रतियों को सार्वजनिक रूप से उपलब्ध कराए जाने की तारीख से तीस दिन की अवधि के पश्चात् उक्त प्रारूप नियम पर विचार किया जाएगा;

आक्षेप या सुझाव, यदि कोई हो, तो उसे महानिदेशक नागर विमानन, सफदरजंग हवाईअड्डा के सामने, नई दिल्ली-110003 को भेजे या dgoffice.dgca@nic.in पर मेल करें;

उक्त विनिर्दिष्ट अवधि के समाप्त होने से पूर्व उक्त प्रारूप नियमों के बाबत किसी व्यक्ति से प्राप्त आक्षेप या सुझाव पर केन्द्रीय सरकार द्वारा विचार किया जाएगा।

प्रारूप नियम

- (1) 1. इन नियमों का संक्षिप्त नाम वायुयान (.....संशोधन) नियम, 2018 है।
2. ये सरकारी राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।
- (2) वायुयान नियम, 1937 में अनुसूची II में,---

(क) अनुभाग थ में,---

(i) पैरा 1 में, उप-पैरा (ख) और (ग) के स्थान पर निम्नलिखित को रखा जाए, अर्थात्:—

“(ख) ज्ञान वह विहित पाठ्यक्रम के अनुसार निम्नलिखित विषयों में मौखिक या लिखित परीक्षा उत्तीर्ण करेगा:—

- (i) अनुप्रयुक्त अनुदेश की तकनीक;
- (ii) उन विषयों जिनमें भू-अनुदेश दिया गया है, में छात्र के कार्य-निष्पादन का निर्धारण किया गया है;
- (iii) शिक्षण प्रक्रिया;
- (iv) प्रभावी शिक्षण के घटक
- (v) छात्र मूल्यांकन और परीक्षण, प्रशिक्षण तत्व ज्ञान;
- (vi) प्रशिक्षण कार्यक्रम विकास;
- (vii) पाठ योजना;
- (viii) क्लास रूप अनुदेशात्मक तकनीक;
- (ix) सम्यक रूप में उड़ान सिमुलेशन प्रशिक्षण उप साधन सहित प्रशिक्षण सामग्री का उपयोग;
- (x) छात्र की त्रुटियों का विश्लेषण और सुधार
- (xi) आशंका और त्रुटि प्रबंधन सिद्धांत सहित मानवीय कार्य-निष्पादन में सुसंगत उड़ान अनुदेश;
- (xii) विफल सिमुलेशन प्रणाली में निहित जोखिम और विमान में सही तरीके से काम न करना।

(ग) अनुभव--- वह रेटिंग के लिए आवेदन की तारीख से किसी विमान के पायलट के रूप में निम्नलिखित उड़ान काल समाधानप्रद रूप में पूरा करने का साक्ष्य प्रस्तुत करेगा:---

- (i) किसी वायुयान के समादेशक पायलट के रूप में एक सौ घंटों से अन्यून का उड़ान काल आवेदन की तारीख से ठीक पूर्ववर्ती अठारह मास की अवधि के भीतर पूरा किया होगा; और हेलीकॉप्टर की बावत, हेलीकॉप्टर के समादेशक पायलट के रूप में पचास घंटों से अन्यून का उड़ान काल आवेदन की तारीख से ठीक पूर्ववर्ती अठारह मास की अवधि के भीतर पूरा किया गया होगा; और
- (ii) किसी अनुमोदित उड़ान अनुदेशक/परीक्षक के अधीन महानिदेशक द्वारा विहित पाठ्यक्रम के अनुसार किसी अनुदेशक के रूप में बीस घंटों से अन्यून का उड़ान प्रशिक्षण।”;

(ii) पैरा 3 में,---

- (क) खंड क में, “और भी संतोषप्रद रूप में सक्षमता जांच पूरी कर लिया हो” शब्दों का लोप किया जाए;
- (ख) “खंड (ख) में, पैरा 1(ख) में यथा विहित सुसंगत विमानन विषयों में मौखिक या लिखित परीक्षा” शब्दों के स्थान पर “महानिदेशक द्वारा अनुमोदित उड़ान अनुदेशक पुनश्चर्या पाठ्यक्रम” शब्दों को रखा जाए;

(ख) अनुभाग द में,---

(i) पैरा 1 में, उप-पैरा (ख) और (ग) के स्थान पर निम्नलिखित को रखा जाए, अर्थात्:—

“(ख) ज्ञान,--- वह विहित पाठ्यक्रम के अनुसार निम्नलिखित विषयों में मौखिक या लिखित परीक्षा उत्तीर्ण करेगा:---

- (i) अनुप्रयुक्त अनुदेश की तकनीक;
- (ii) उन विषयों जिनमें भू-अनुदेश दिया गया है, में छात्र के कार्य-निष्पादन का निर्धारण किया गया है;
- (iii) शिक्षण प्रक्रिया;
- (iv) प्रभावी शिक्षण के घटक

- (v) छात्र मूल्यांकन और परीक्षण, प्रशिक्षण तत्व ज्ञान;
- (vi) प्रशिक्षण कार्यक्रम विकास;
- (vii) पाठ योजना;
- (viii) क्लास रूप अनुदेशात्मक तकनीक;
- (ix) सम्यक रूप में उड़ान सिमुलेशन प्रशिक्षण उप साधन सहित प्रशिक्षण सामग्री का उपयोग;
- (x) छात्र की त्रुटियों का विश्लेषण और सुधार
- (xi) आशंका और त्रुटि प्रबंधन सिद्धांत सहित मानवीय कार्य-निष्पादन में सुसंगत उड़ान अनुदेश;
- (xii) विफल सिमुलेशन प्रणाली में निहित जोखिम और विमान में सही तरीके से काम न करना।

(ग) अनुभव,- वह इस रेटिंग के लिए आवेदन की तारीख से यथास्थिति, किसी विमान या हेलीकॉप्टर के पायलट के रूप में निम्नलिखित उड़ान काल समाधानप्रद रूप में पूरा करने का साक्ष्य प्रस्तुत करेगा---

(i) (क) रात में समादेशक पायलट के रूप में बीस घंटे का उड़ान काल जिसके दौरान कम से कम बीस बार उड़ान भरी होनी चाहिए और बीस बार अवसरण भी होना चाहिए; और

(ख) किसी सहायक उड़ान अनुदेशक या रक्षा बलों की सेवा में अर्हता प्राप्त उड़ान अनुदेशक की हैसियत में यथास्थिति, विमान पर दो सौ घंटे या हेलीकॉप्टर पर एक सौ घंटे का उड़ान काल समाधानप्रद रूप में पूरा किया हो;

या

(ii) यथास्थिति, किसी विमान के समादेशक पायलट के रूप में पांच सौ घंटे का उड़ान काल या हेलीकॉप्टर से समादेशक पायलट के रूप में दो सौ पचास घंटे का उड़ान काल समाधानप्रद रूप में पूरा किया हो।

परंतु रक्षा बलों के ऐसे पायलट जिसने अर्हता प्राप्त किया हो और पैरा 1(ग) और 1(घ) में अधिकथित अपेक्षाओं को भी पूरा करता है, उड़ान अनुदेशक रेटिंग जारी करने के लिए विचार किया जा सकेगा यदि उसने आवेदन की तारीख ठीक पूर्ववर्ती बारह मास की अवधि के भीतर उड़ान अनुदेशक के रूप में बीस घंटों से अन्यून का उड़ान काल पूरा किया हो।";

(ii) पैरा 1 में, उप-पैरा (ड.) के पश्चात, निम्नलिखित को अंतःस्थापित किया जाए, अर्थात्:—

"(च) उड़ान अनुदेश,--- उप-पैरा (ग) में अधिकथित अनुभव अपेक्षा पूरी करने के पश्चात, आवेदक उप-पैरा (ड.) में उल्लिखित कौशल परीक्षण कराने से पूर्व महानिदेशक द्वारा अनुमोदित उड़ान अनुदेशक कार्यक्रम पूरा करेगा और निम्नलिखित का साक्ष्य प्रस्तुत करेगा:

(i) प्रदर्शन, छात्र अभ्यास, साधारण छात्र दोष की पहचान और सुधार सहित उड़ान अनुदेशात्मक तकनीकों में अनुदेश प्राप्त कर लिया है; और

(ii) उन उड़ान युक्ति चालनों और प्रक्रियाओं जिनमें उड़ान अनुदेश दिया जाना आशयित है, में अनुदेशात्मक तकनीकों का अभ्यास कर लिया है।";

(iii) पैरा 3 के स्थान पर, निम्नलिखित को रखा जाए, अर्थात्:—

"3 नवीकरण--- उड़ान अनुदेशक रेटिंग को आवेदक के निम्नलिखित साक्ष्य की समाधानप्रद रूप में प्राप्ति पर नवीकृत किया जा सकेगा---

(क) नवीकरण के लिए आवेदन की तारीख से ठीक पूर्ववर्ती बारह मास की अवधि के भीतर उड़ान अनुदेशक के रूप में बीस घंटों से अन्यून का उड़ान काल समाधानप्रद रूप में पूरा कर लिया हो;

या

(ख) पैरा 1(ड.) में अधिकथित नवीकरण के लिए आवेदन की तारीख से ठीक पूर्ववर्ती छह मास की अवधि के भीतर महानिदेशक द्वारा अनुमोदित उड़ान अनुदेशक पुनश्चर्या पाठ्यक्रम और उड़ान परीक्षण समाधानप्रद रूप में सफलतापूर्वक पूरा किया हो।"

[फा. सं. ए. वी. 11012/3/2017-ए]

अरुण कुमार, संयुक्त सचिव

टिप्पण: मूल नियम तारीख 23 मार्च, 1937 को अधिसूचना सं. वी - 26 द्वारा भारत के राजपत्र में प्रकाशित किए गए और अंतिम संशोधन तारीख 01 नवंबर, 2017 को भारत के राजपत्र, असाधारण भाग- II, खंड - 3, उप-खंड (i) में प्रकाशित तारीख 01 नवंबर, 2017 की सा.का.नि 1358(अ) द्वारा किए गए।

MINISTRY OF CIVIL AVIATION

NOTIFICATION

New Delhi, the 13th March, 2018

G.S.R. 242 (E).— The following draft of certain rules further to amend the Aircraft Rules, 1937, which the Central Government proposes to make in exercise of the powers conferred by section 5 of the Aircraft Act, 1934 (22 of 1934), is hereby published as required by section 14 of the said Act, for information of all persons likely to be affected thereby; and notice is hereby given that the said draft rules will be taken into consideration after a period of thirty days from the date on which copies of the Gazette of India, in which this notification is published, are made available to the public;

Objections or suggestions, if any, may be addressed to the Director-General of Civil Aviation, Opposite Safdarjung Airport, New Delhi-110003 or mailed to dgoffice.dgca@nic.in;

Any objection or suggestion which may be received from any person with respect to the said draft rules before the expiry of the period specified above will be considered by the Central Government.

Draft Rules

1. (i) These rules may be called the Aircraft (.....Amendment) Rules, 2018.
- (ii) They shall come into force on the date of their final publication in the Official Gazette.
2. In the Aircraft Rules, 1937, in Schedule II to, —
- (A) in Section Q, —
- (i) in paragraph 1, for sub-paragraphs (b) and (c), the following shall be substituted, namely: —

“(b) Knowledge — He shall pass an oral or written examination in the following subjects in accordance with the prescribed syllabus:—

- (i) Techniques of applied Instruction;
- (ii) Assessment of student performance in those subjects in which ground instruction is given;
- (iii) The learning process;
- (iv) Elements of effective teaching;
- (v) Student evaluation and testing, training philosophies.
- (vi) Training programme development;
- (vii) Lesson planning;
- (viii) Classroom instructional techniques;
- (ix) Use of training aids, including flight simulation training devices as appropriate;
- (x) Analysis and correction of student errors;
- (xi) Human performance relevant to flight instruction including principles of threat and error management;
- (xii) Hazards involved in simulating system failure and malfunctions in the aircraft.

(c) Experience — He shall produce evidence of having satisfactorily completed as pilot of an aeroplane on the date of application for the rating —

(i) not less than one hundred hours of flight time as a Pilot-in-Command of an aeroplane of which not less than twenty hours shall have been completed within a period of eighteen months immediately preceding the date of application; and in the case of helicopters, not less than fifty hours flight time as a pilot-in-Command of a helicopter of which not less than twenty hours shall have been completed within a period of eighteen months immediately preceding the date of application; and

(ii) not less than twenty hours of flying training as an Instructor under an approved Flight Instructor/Examiner as per the syllabus prescribed by the Director-General.”;

(ii) in paragraph 3,—

(a) in clause (a), the words “and also satisfactorily completed the competency checks” shall be omitted;

(b) in clause (b), for the words “oral or written examination in relevant aviation subjects as laid down in para 1 (b)” , the words “a Flight Instructor’s refresher course approved by the Director-General” shall be substituted;

(B) in Section R, —

(i) in paragraph 1, for sub-paragraphs (b) and (c), the following shall be substituted, namely: —

“(b) Knowledge — He shall pass an oral or written examination in the following subjects in accordance with the prescribed syllabus:—

- (i) Techniques of applied Instruction;
- (ii) Assessment of student performance in those subjects in which ground instruction is given;
- (iii) The learning process;
- (iv) Elements of effective teaching;
- (v) Student evaluation and testing, training philosophies.
- (vi) Training programme development;
- (vii) Lesson planning;
- (viii) Classroom instructional techniques;
- (ix) Use of training aids, including flight simulation training devices as appropriate;
- (x) Analysis and correction of student errors;
- (xi) Human performance relevant to flight instruction including principles of threat and error management;
- (xii) Hazards involved in simulating system failure and malfunctions in the aircraft.

(c) Experience — He shall produce evidence of having satisfactorily completed as pilot of an aeroplane or a helicopter, as the case may be, on the date of application for the rating—

(i) (a) twenty hours of flight time as pilot-in-command by night during which at least twenty take-offs and twenty landings have been carried out; and

(b) two hundred hours of flight time on aeroplanes or one hundred hours on helicopters, as the case may be, in the capacity of an Assistant Flight Instructor or Qualified Flight Instructor in the service of Defence Forces;

or

(ii) five hundred hours flight time as Pilot-in-Command of an aeroplane or two hundred fifty hours as Pilot-in-Command of a helicopter, as the case may be.

Provided that a pilot from Defence Forces who has successfully completed the Qualified Flight Instructor's course and also satisfies requirements as laid down in para 1(c) and 1(d), may be considered for the issue of Flight Instructor's Rating if he has not less than twenty hours of flight time as Flight Instructor within a period of twelve months immediately preceding the date of application.”;

(ii) in paragraph 1, after sub-paragraph (e), the following shall be inserted, namely: —

“(f) Flight Instruction —After completing the experience requirement as laid down in sub-paragraph (c), the applicant shall undergo a Flight Instructor's Course approved by the Director-General before undergoing the skill test as mentioned in sub-paragraph (e) and shall provide evidence of the following :

- (i) having received instructions in flight instructional techniques including demonstration, student practices, recognition and correction of common student errors; and
- (ii) having practised instructional techniques in those flight manoeuvres and procedures in which it is intended to provide flight instruction.”;

(iii) for paragraph 3, the following shall be substituted, namely:—

“3. Renewal — The Flight Instructor's Rating may be renewed on receipt of satisfactory evidence of the applicant —

- (a) having satisfactorily completed not less than twenty hours of flight time as a Flight Instructor within a period of twelve months immediately preceding the date of application for renewal;
- or
- (b) having satisfactorily completed a Flight Instructor's refresher course approved by the Director-General and the flying tests within a period of six months immediately preceding the date of the application for renewal as laid down in para 1 (e).”.

[F. No. AV. 11012/3/2017-A]

ARUN KUMAR, Jt. Secy.

Note: The principal rules were published in the Gazette of India, *vide* notification number V-26, dated the 23rd March, 1937 and last amended *vide* G.S.R. 1358(E) dated the 1st November, 2017 published in the Gazette of India, Extraordinary, Part II, Section 3, Sub-Section (i) dated the 1st November, 2017.